केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 108 सोमवार 11 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### परामर्शदात्री समिति सदस्य बने सांसद राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । सांसद रामप्रसाद चौधरी को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए गठित परामर्शदात्री समिति के सदस्य के तौर पर नामित किया गया है। इस आशय का आदेश केंद्रीय सचिव उमेश नरूला की ओर से जारी किया गया है। परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान है। सदस्य के तौर पर 15 लोकसभा सदस्य व आठ राज्यसभा सदस्यों को शामिल किया गया है। सदर विधायक महेंद्र यादव, विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी, विधायक कविंद्र चौधरी और जनेश्वर चौधरी आदि लोगों ने बधाई दी है।

### आवंला नौमी पर यज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।'आवंला नौमी पर यज्ञ और उसके नीचे भोजन करना होता है स्वास्थ्यकर–ओम प्रकाश आर्य आर्य समाज नई बाजार बस्ती में आवंला नौमी के अवसर पर यज्ञ कर लोगों को आवंला का महत्व बताया गया। इस अवसर पर आचार्य देवव्रत आर्य ने यज्ञ कराते हुए वैदिक मंत्रों से आहुतियां दिलाई। इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि आवंला नौमी पर्व आवंला के पेड़ों के संरक्षण और संवर्द्धन का संदेश देता है।

### आजीविका के गुर सीखने राजस्थान रवाना हुआ प्रतिनिधि मंडल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंडल के सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों का एक प्रतिनिधि मंडल बजाज फाउंडेशन और विश्व युवक केंद्र द्वारा सीकर राजस्थान में आयोजित एक्सपोजर–सह–क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि, जल, शिक्षा और आजीविका में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रविवार को हुआ।

सिद्धार्थनगर जिले में काला नमक धान को प्रोत्साहित करने वाले गौतम बुद्ध जागृति समिति के सचिव श्रीधर पांडेय जिला अधिकारी कार्यालय से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर टीम से गैर लाभकारी संस्था रूरल अवरनेश फॉर कम्युनिटी एवोल्यूशन से नितेश शर्मा ने बताया कि एक्सपोजर–सह–क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों की अंतिम सूची में सफलतापूर्वक सम्मिलित किए गए हैं। बताया कि पाँच दिवसीय कार्यक्रम सीकर, राजस्थान के एक पांच सितारा होटल में होगा।

इस कार्यक्रम में देश भर सौ प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। जिसमें बस्ती से युवा विकास समिति से बृहस्पति पांडेय, कृष्णा मिशन हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट से विश्वनाथ चौधरी, गुरुकुल एकेडमी से रमेश मिश्र, प्राथमिक शिक्षा विभाग से जितेंद्र चौधरी तथा ह्यूमैनिटी एक्शन ट्रस्ट,के अलावा स्कंद चौरसिया, विवेकानंद लोक विकास संस्थान से राधेश्याम चौधरी, सिद्धार्थ एफपीओ से राम मूर्ति मिश्र, विमलेश पांडेय, प्रशांत द्विवेदी, अनुपमा वर्मा, नीलम मिश्रा, आशुतोष शुक्ल, देवी प्रसाद पांडेय, सहित तीन अन्य लोगों को सम्मिलित होने का आमंत्रण मिला है। यह प्रतिनिधि मंडल 11 से 15 नवंबर तक सीकर राजस्थान में आयोजित कृषि, जल, शिक्षा और आजीविका' विषय पर आधारित ट्रेनिंग और एक्सपोजर विजिट में भाग लेकर इस क्षेत्र में कृषि, जल संरक्षण, शिक्षा और आजीविका पर बेहतर कार्यों को बढ़ावा देंगे। उक्त कार्यक्रम में इन युवाओं के चयन पर ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह, अनूप खरे, अश्वनी उपाध्याय, आशीष शुक्ल, एनएवाई के अध्यक्ष भावेश पांडेय, राजेश पाल चौधरी, पवन कसौधन, बृजभूषण पांडेय, आकाश चौधरी, राधेश्याम चौधरी, बसंत चौधरी, विवेक शर्मा, कमलेंद्र पटेल, राहुल सिंह, संतोष पांडेय, रिंकू दूबे, विनोद उपाध्याय, रंजना अग्रहरि, संध्या दीक्षित, वैभव पांडेय, रामभारत यादव, पंकज त्रिपाठी, विवेक मिश्र, सुधाकर पांडेय नीरज विपिन कुमार सहित अनेकों लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

# खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप दल्ला कनाडा में गिरफ्तार

ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों में मार गिराया था।

नई दिल्ली (आभा)। खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह गिल्ल उर्फ अर्शदीप दल्ला को कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दल्ला को ओंटारियो प्रांत के मिल्टन शहर में 27–28 अक्तूबर को हुई गोलीबारी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उसे जेल से रिहा किया गया है या वह अभी भी हिरासत में है। अर्शदीप को हरदीप सिंह निज्जर का सहयोगी माना जाता है, जिसे पिछले साल गिरफ्तारी की जानकारी दी थी। इन दोनों पर हथियार से गोली चलाने का इरादा रखने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया है। लेकिन यह बताया कि दोनों जमानत पर सुनवाई होने तक हिरासत में रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इन दो में से एक अर्शदीप दल्ला हो सकता है, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ है। अर्शदीप आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के लिए आतंकी गतिविधियों का संचालन करता था, जिसे पिछले साल जून में मारा गया था।

# आतंकियों से मुठभेड़, अफसर शहीद, तीन सैनिक घायल

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों की हुई मुठभेड़ में सेना का एक जेसीओ शहीद हो गया है, जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में दो ग्राम रक्षा गार्ड की हत्या करने के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल उस स्थान से कुछ किलोमीटर ही दूर है, जहां पर वीडीजी नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले थे।

सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि हमें आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर किश्तवाड़ के भारत रिज क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। यह वही आतंकी समूह था, जिसने दो निर्दोष ग्रामीणों (ग्राम रक्षा रक्षकों) का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। उन्हें चुनौती दी गई और गोलीबारी शुरू हो गई।

# वशिष्ठ नगर कला रत्न कार्यक्रम के लिये हुआ कलाकारों का चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को डान वास्को स्कूल के सभागार में वशिष्ठ नगर कला रत्न कार्यक्रम के लिये कलाकारों का चयन किया गया। आगामी 17 नवम्बर को डान वास्को के सभागार में कार्यक्रम के बाद कलाकारों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जायेगा। आयोजक अनुराग द्विवेदी और धनुष्धारी चतुर्वेदी ने बताया कि वशिष्ठ नगर कला रत्न कार्यक्रम में गायन, नृत्य और चित्रकला के साथ अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नगर पंचायत नगर के प्रतिनिधि राना दिनेश प्रताप सिंह ने चयन के लिये आये कलाकारों का उत्साह बढाया। कलाकारों के चयन में नृत्य गुरू मास्टर शिव, शुभम गुप्ता, डा. नवीन श्रीवास्तव ने कलाकारों का चयन किया। 100 से अधिक कलाकारों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी।

# युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने राहुल प्रताप सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कौशिक ने राहुल प्रताप सिंह को युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। यह निर्णय दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया।

राहुल प्रताप सिंह को युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रशान्त गुप्ता, डॉ. विक्रांत प्रताप सिंह, सचिन मिश्रा, दीपक पटेल, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, पंकज सिंह डिम्पल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि निश्चित रूप से वे प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

# 13वां बस्ती मैराथन 17 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा आगामी 17 नवंबर को आयोजित 13वें बस्ती मैराथन की तैयारियों के सिलसिले में एक महत्वपूर्ण बैठक राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में सम्पन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं और आयोजन की तैयारी पर चर्चा की गई।

बैठक में लिए प्रमुख निर्णय इस प्रकार हैं, पंजीकरण 11 नवंबर, सोमवार से अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में शुरू होगा। पेशेवर धावकों के साथ स्कूली विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। बालक एवं बालिका वर्ग में अलग–अलग पुरस्कारों की व्यवस्था होगी। आयोजन 'नशामुक्त बस्ती, स्वस्थ बस्ती, स्वच्छ बस्ती' के उद्देश्य को समर्पित रहेगा। मैराथन की शुरुआत शास्त्री चौक से होगी। निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष निगरानी समिति का गठन किया गया है। इस आयोजन में 4,000 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी की उम्मीद है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने कहा कि बस्ती मैराथन का यह 13वां संस्करण हमारी एकजुटता और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कार्यक्रम संयोजक ओमकार चौधरी ने कहा किमैराथन की सफलता हम सभी की सामूहिक मेहनत पर निर्भर है। जयेश सिंह ने कहा कि इस वर्ष की मैराथन में 4,000 से अधिक प्रतिभागियों की उम्मीद है। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन में हर आयु वर्ग के लोगों का उत्साहवर्धन करना हमारी प्राथमिकता है। रामनुजेंद्र पाण्डेय, राम विनय पाण्डेय और विजय प्रकाश चौधरी ने भी कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के निमित्त विभिन्न जिम्मेदारियां भी बांटी गयीं ।

# उपेक्षा का शिकार है पुलिस कल्याण बाल उद्यानः अब नहीं गूंजती पुलिस कर्मियों के बच्चों की किलकारियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 8 दिसम्बर 1975 को तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक वासुदेव पाजानी ने बड़ी उम्मीद के साथ पुलिस लाइन के निकट पुलिस कल्याण बाल उद्यान का उद्घाटन किया था। उद्यान परिसर में ही कुंआनों तट के निकट श्री हनुमान जी और अन्य देवी देवताओं का मंदिर है जहां लोग श्रद्धा से सिर नवाते हैं। इस उद्यान में बच्चों की किलकारियां, उनकी उछलकूद शोभा बढाती थी किन्तु पिछले 10 वर्ष से यह उद्यान उपेक्षा का शिकार हो गया। मंदिर से नदी तट तक जाने वाली पक्की सीढियां टूट कर जर्जर हो गई है। यहां तक पहुंचने वाले मार्ग की हालत दयनीय है। रखरखाव के अभाव में मंदिर और उद्यान तक पहुंचने वाले मार्ग पर शाम होते ही घुप अंधेरा हो जाता है। पुलिस कल्याण बाल उद्यान में प्रायः पुलिस कर्मियों और स्थानीय लोगों के बच्चे खेलने कूदने आ जाते थे किन्तु अब यह सिलसिला थम गया है।

49 वर्ष पुराने हो चुके पुलिस कल्याण बाल उद्यान और उपेक्षित मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग करते हुये सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला एकीकरण समिति के सदस्य अर्जुन उपाध्यक्ष ने आई.जी. और पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि इस स्थान का जीर्णोद्धार कराकर पुलिस कर्मियों और स्थानीय नागरिकों के लिये इसे इसे आदर्श पर्यटन और आयात्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाय। कुंआनो के तट पर स्थित पुलिस कल्याण बाल उद्यान में फिर से बच्चों की किलकारियां और प्रार्थना के स्वर गूंजे। उन्होने कहा कि इससे पुलिस कर्मियों के परिजनों को जहां सुविधा होगी वहीं क्षेत्र का भी समग्र विकास होगा। सड़क का निर्माण और प्रकाश व्यवस्था अपरिहार्य है।

## -सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन उपाध्याय ने किया उद्यान और मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग

# ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाएगी योगी सरकार

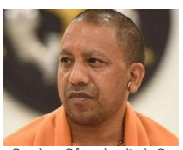

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार प्रदेश में पर्यावरण के अनुकूल और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीकरणीय और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूपीआरईवी) की स्थापना की है। इसके तहत योगी सरकार प्रदेश में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाने जा रही है। यह पहल राज्य को एक हरित और ऊर्जा–कुशल भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए व्यापक योजना बनाई है। यूपीआरईवी के तहत, राज्य के प्रमुख शहरों, राष्ट्रीय–राज्य राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का उपयोग किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तेजी आएगी। सरकार ने अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर राज्य की भूमि को चार्जिंग स्टेशनों के लिए राइट टू यूज के आधार पर उपयोग करने की अनुमति दी है। इस पहल से राज्य के डिस्कॉम कार्यालयों, सब स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ईवी चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित किए जा रहे हैं।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए बिजली दरों में भी संशोधन किया है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) के नए आदेश के अनुसार, अब सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए टैरिफ को औसत लागत से भी कम रखा गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को किफायती दरों पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे ईवी को अपनाने में तेजी आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए बेहतर दरें निर्धारित की जाएं ताकि परिवहन क्षेत्र में हरित ऊर्जा का अधिक उपयोग हो सके। इस कदम से राज्य में ईवी उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

## बस्ती में मिले डेंगू के तीन और मरीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में डेंगू के डंक से हर कोई डरा व सहमा है। लगातार मरीजों की पुष्टि हो रही है। इससे जिम्मेदारों में भी खलबली है। हाल यह है कि डेंगू ने पिछले साल के रिकॉर्ड को तोड़ते दिया है। तीन नए डेंगू मरीज मिलने के साथ ही अब जिले का आंकड़ा 64 पार हो चुका है। जिला अस्पताल में बुखार से पीड़ित होकर पहुंचे तीन मरीजों में डेंगू के लक्षण दिखे तो चिकित्सक ने ब्लड जांच कराने के लिए कहा। लैब में ब्लड जांच हुई तो रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आई।

इन तीनों मरीज को भर्ती करने के बजाय उन्हें घर भेजकर होम आइसोलेट कर दिया गया है। इससे अन्य मरीजों में डेंगू फैलने का खतरा बना रहता है।

# निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 273 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को पटेल एस. एम.एच. हास्पिटल एवं पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा में प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा के संयोजन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 273 मरीजों के ब्लड प्रेशर, शुगर, हेमोग्लोबीन आदि की जांच कर निःशुल्क औषधि उपलब्ध कराया गया।

लगभग 35 वर्षों से निरन्तर चिकित्सा सेवा से जुड़े डा. वी.के. वर्मा ने शिविर के आरम्भ में कहा कि अनेक जरूरतमंद मरीज धन के अभाव में अस्पताल आने से कतराते हैं। उनके लिये ये शिविर वरदान साबित होते हैं। कहा कि पटेल एस. एम.एच. हास्पिटल एवं पैरा मेडिकल कॉलेज द्वारा समय– समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर के साथ ही मानव सेवा के अनेक कार्यक्रम किये जाते हैं। अभी कांवड यात्रा के द्वारा एक सप्ताह तक गोटवा में में यात्रियों की सेवा के साथ ही उनका निःशुल्क उपचार किया गया। यही नहीं ठंड के दिनों में हास्पिटल द्वारा जरूरतमंदों में कम्बल का भी वितरण किया जाता है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में मुख्य रूप से डा. आर.एन. चौधरी, डा. आलोक रंजन, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज कुमार मिश्र, डा. इरफाना बानो, डा. लालचंद यादव, डा. रीतेश चौधरी, डा. अतुल कुमार के साथ ही स्वास्थ्य कर्मी ध्रुव चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, सतीश चौधरी, राजेश सिंह, सूरज चौधरी, श्रवण कुशवाहा, श्याम किशोर दूबे, राम प्रकाश तिवारी, दीनबंधु उपाध्याय, मनोज गुप्ता, मनीष चौधरी, राम स्वरूप, शिवशंकर, उदयभान, गोल्डी, फूलपती, मनीषा, कविता गौतम, शालू यादव, लक्ष्मी, माया, पूजा, रंजन, शाजिया, अनीता, सावित्री, मालती आदि ने योगदान दिया।

## –जरूरतमंदों के लिये वरदान हैं निःशुल्क चिकित्सा शिविर–डा. वी.के. वर्मा

# लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल प्रेरणा ले युवा पीढी– राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के 149 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में रविवार को सरदार पटेल स्मारक संस्थान के छत्रपति साहू जी सभागार में गोष्ठी को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये पूर्व कैबिनेट मंत्री सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर गृह मंत्री के रूप में देश के निर्माण में उनके योगदान से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिये, वे महान नेता थे। किसान के बेटे के रूप में उन्होने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी सुविधा की जगह देश के हितों की चिन्ता किया। ऐसे महापुरुष विरले होते हैं जो संकट में बहादुरी का परिचय देते हुये विजेता बनकर उभरे। उन्होने 562 रियासतों को एकता के सूत्र में बांध कर भारत के स्वरूप को सशक्त बनाया।

गोष्ठी को विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' रामललित चौधरी, राम कमल, आलोक सिंह पटेल, रजनीश पटेल, प्रभाकर पटेल, सत्यराम चौधरी, अवनि कुमार पटेल, विमलेश चौधरी, अमर पटेल, अनिल चौधरी आदि ने पटेल जी से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये अध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि त्यौहारों के कारण पटेल जी की जयन्ती विलम्ब से मनायी जा रही है। कहा कि सरदार पटेल ऐसे लौह पुरुष हैं जिन्होने अनगिनत रियासतों को भारत से जोड़कर देश के भूगोल को समृद्ध किया। संस्थान के महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि पटेल जी का समग्र जीवन देश को समर्पित रहा, नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुये आगे बढना होगा।

संगोष्ठी को प्रेमचन्द्र पटेल पोरस, विद्या सागर आदि ने पटेल जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संचालन डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने किया। इस अवसर पर सरदार पटेल स्मारक संस्थान की ओर से हाई स्कूल की परीक्षा में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले अखिलेश चौधरी, अनूप चौधरी, दीपक चौधरी और डा. हरिहर प्रसाद पटेल को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. आर.पी. वर्मा, अमित चौधरी, कमलेश कुमार चौधरी, रामजी चौधरी, राम कृपाल चौधरी, सुजीत चौधरी, रोहित चौधरी, डा. श्यामनरायन, रामकमल वर्मा, अमित चौधरी, वीरेन्द्र चौधरी, माधव वर्मा, कृष्णनाथ, राम आधार, अरविन्द चौधरी, राममगत, ई. राजेन्द्र प्रसाद, गौरव पटेल, पवन चौधरी, गिरिजाशंकर, अरविन्द चौधरी, चन्द्र प्रकाश चौधरी, राजमणि, राज बहादुर चौधरी, डब्लू चौधरी, ज्ञानचन्द्र चौधरी, मुकेश चौधरी, दीपू चौधरी, भूपेन्द्र चौधरी, श्यामलाल चौधरी, ई. विक्रम चौधरी, भानु प्रताप चौधरी, मनोज चौधरी, नित्यराम चौधरी, सुभाष चौधरी, अमरेन्द्र चौधरी, बब्लू पटेल, राकेश कुमार वर्मा, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पवन चौधरी, जनेश्वर चौधरी, राम गोपाल, आज़ाराम चौधरी के साथ ही सरदार पटेल स्मारक संस्थान के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल रहे।

## –सम्मानित किये गये मेधावी संगोष्ठी में व्यापक विमर्श

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 नवम्बर 2024 सोमवार

## सम्पादकीय

### संपत्ति कब्जा करने की होड़

हमारे देश में एक ओर प्राकृतिक रूप से प्राप्त स्रोतों का खजाना है और दूसरी ओर नागरिकों द्वारा अपनी बुद्धि, सामर्थ्य, कार्य कुशलता और परिश्रम से अर्जित विशाल कारोबार, व्यवसाय और एम्पायर है। बहुत से लोभी, स्वार्थी, दबंग तथा देशद्रोही जल, जंगल, जमीन जैसे संसाधनों और नदी के मीठे और समुद्र के खारे पानी तक को कब्जा लेते हैं। कानून का डर नहीं, आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे नेताओं और सरकार का तो कतई नहीं। सांठगांठ, मिलीभगत पर कोई रोकटोक नहीं।

नकली समाजवाद को संविधान का अंग बना लेने के बाद से तो उन लोगों की पौ बारह हो गई, जो देश की दौलत अपने वोटबैंक में बांटने की जुगत में लगे रहते हैं। उदाहरण यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह देश की कुदरती अमीरी पर मुसलमानों का पहला हक होने की बात करते हैं। कांग्रेस के मालिक राहुल गांधी कैसी भी संपत्तियां हों, निजी, सरकारी, सार्वजनिक या प्राकृतिक, सभी को जातियों की संख्या के आधार पर बांटने की बात गरीब से करने लगते हैं। कुछ उनके बहकावे में आ भी जाते हैं और जब उनकी वाणी को सत्य मानकर अपना हिस्सा लेने पहुंचते हैं तो उनकी हालत नींद से जागने जैसी होती है जिसमें उन्हें अपने अमीर हो जाने का सपना दिखाई देने लगा था। उनके मित्र सैम पित्रोदा तो अमरीकी कानून भारत में लागू करने की सलाह देते हैं, जहां मरने के बाद आधी दौलत सरकार की हो सकती है।

जिस कानून की अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने उचित व्याख्या की है, उसके पहले हुए दुरुपयोग पर नजर डालें तो सामने ऐसे दृश्य आने लग जाते हैं जिन्हें आप आंख फाड़कर देखने के अतिरिक्त कुछ नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर उत्तर प्रदेश में अपने दल के महापुरुषों और यहां तक कि परिवार के सदस्यों की सबसे महंगे पत्थरों की मूर्तयां लगाने के लिए बेशकीमती जमीन हथिया कर स्मारक बनाने का काम है। उसके बाद आप दिल्ली में राजघाट के इलाके का दौरा कर लीजिए। पूज्य बापू की समाधि तो समझ में आती है लेकिन बाकी किसी की भी मृत्यु के बाद लंबे–चौड़े क्षेत्रफल पर बने स्मृति स्थलों को देखने की जिज्ञासा शायद ही किसी आम आदमी में होती होगी।

क्या यह बात मन में आना उचित नहीं है कि इन जगहों पर बुलडोजर चला दिया जाए? यहां न जाने कितने स्कूल, कॉलेज, अस्पताल बन सकते थे, लोगों का जीवन सुविधाजनक बनाने के लिए बहुत से परिसर बन सकते थे, जहां रोजगार मिलने और व्यवसाय करने की सुविधाएं हो सकती थीं। देश की आन–बान की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए उनका स्मृति स्थल अभी कुछ ही वर्ष पहले बना है। उसमें भी उन्हें कोई स्थान नहीं मिला जिन्होंने विदेशों में भारत का डंका बजाया, जैसे कि देश का गौरव आई.पी.के.एफ., जिसके रणबांकुरों ने श्रीलंका में गजब की वीरता दिखाई।

सार्वजनिक संपत्ति को किस तरह अपना बनाया जा सकता है, उसमें सबसे पहले राष्ट्रीयकरण आता है। अच्छे–खासे मुनाफे में चल रहे बैंकों का सरकारीकरण ही देख लीजिए। लगभग सभी घाटे में चल रहे हैं। उसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं, जो पहले निजी लोगों की मिल्कियत थे और उन्हें सरकारी संस्थान बना दिया गया। बहुत से लोग इसके खिलाफ अदालतों में भी गए लेकिन 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' की कहावत का असर देखकर चुप हो गए। गिनती के पी.एस.यू. हैं, जो देश की शान कहे जा सकते हैं, बाकी सब तो भारत माता की छाती पर बोझ समान हैं।

दूसरा तरीका है सरकार द्वारा अपनी बनाई किसी विकास नीति पर अमल करने के लिए ग्रामवासियों, किसानों या जिसकी जमीन बीच में आए, उसका अधिग्रहण कर लिया जाए और अपनी मनमर्जी से मुआवजा दिया जाए। उस जमीन का कोई इस्तेमाल न होने से वह बंजर, पथरीली और हरियाली विहीन हो जाती है। इसके बाद आता है राजा की तरह राजदंड का उपयोग कर कानूनन कब्जा कर लेना, जिसकी न सुनवाई हो सकती है और न अपील। कुछ संपत्तियां हैं, जिन्हें वाजिब दाम और आपसी समझौते के आधार पर सरकारें खरीद सकती हैं। देखा जाए तो यही एक तरीका न्यायसंगत है जिसमें क्रेता और विक्रेता दोनों की सहमति होती है।

देश में दो ही तरह से धन–दौलत का संग्रह हो सकता है। एक सरकारी स्वामित्व में और दूसरा निजी हाथों में। उम्मीद है कि नई व्यवस्था से इन दोनों में संतुलन बनाया जा सकेगा। कुछ मुट्ठी भर उद्योगपतियों के हाथों में इसका भंडारण होने पर लगाम लग सकेगी। इसी तरह राजनीतिज्ञों और उनके सत्ताधारी होने पर वे कोई ऐसा फैसला नहीं कर पाएंगे, जिससे राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचे। जब कोई सत्ताधारी या विपक्षी देश की संपत्ति अपनी इच्छानुसार बांटने की बात करे तो लोग इस कानून का हवाला देकर उसके विरोध में खड़े हो जाएं। दूसरे की कमाई प्रतिष्ठा, नेकनामी और औद्योगिक साम्राज्य को जनता की भलाई के नाम पर कब्जाने की मानसिकता पनप न पाए।

# समाज में बढ़ती संवेदनहीनता

—मनोज सिंह—

पैसे ने जहां एक तरफ समाज को लग्जरी जीवन और सुख सुविधा दिया वही पैसे की अत्यधिक चाहत ने इंसान से उसकी इंसानियत छीन लिया है एक तरफ मेहनत कश लोग दिनभर पसीना बहाने के बाद भी अपने पसीने का उचित मूल्य नहीं पा रहे हैं दूसरी तरफ बिचौलिए और कालाबाजारी करने वाले लोग हजारों और लाखों के बारे न्यारे कर रहे हैं । किसान साल भर परिश्रम करके जितना पैसा अनाज में नहीं पता है उससे अधिक पैसा एक महीने में बिचौलिए पैदा कर लेते हैं किसानों की फसल कम मूल्य पर खरीद कर और अधिक मूल्य पर बेचकर ,वही कृषि मंडियों पर किसानों से अधिक बिचौलियो का कब्ज रहता है जिसके चलते अगर किसान कोई फसल पैदा करके मंडी में ले जाकर बेचना चाहता है तो दलाल दूसरी मंडी से बड़ी मात्रा में वही फसल या सब्जी उठाकर कम रेट पर बेचना शुरू कर देते हैं जिसके चलते किसानों को भी कम रेट पर अपना फसल और सब्जी बेचना पड़ता है सब्जियों के साथ एक विडंबना है कि वह ज्यादा समय तक रख्खा नहीं जा सकता जिसका फायदा बिचौलिए उठते हैं अगर किसी किसान का सब्जी नहीं बिकता है तो कम रेट पर लेकर दूसरी मंडी में ले जाकर अच्छे रेट पर बेच लेते हैं और अच्छा पैसा कमा लेते हैं वहीं परिश्रम करने वाला किसान अपने पसीने का उचित मूल्य भी नहीं पता आज देश में कई करोड़ों ऐसे किसान हैं जो कर्ज में डूबे हुए हैं वहीं बिचौलिए में अधिकांश लोग अच्छा पैसा कमा कर पूंजीपति बने हुए हैं

बहुत से किसान जो सब्जी मंडियों में अपनी फसल ले जाकर तकलीफ उठा चुके हैं ऐसे किसान अब अपने खेतों से ही कम पैसे में सब्जी का व्यवसाय करने वाले लोगों को ही दे देते हैं कभी–कभी ऐसी नौबत भी आती है कि जब सब्जियों के रेट कम होते हैं तो नुकसान में भी किसानों को अपनी सब्जी बेचना पड़ता है देश में ऐसी बहुत सी घटनाएं सुनने को मिलती है जब किसान कभी टमाटर तो कभी मिर्च और आलू को अक्सर कम मूल्य हो जाने पर सड़कों पर फेंकना पड़ता है जिसके चलते किसानों की पूंजी ही डूब जाती है । सरकार को चाहिए कि यदि किसी क्षेत्र में किसी फसल की पैदावार अधिक हो जा रही है तो उसे वहां से खरीद कर देश के या विदेश में जहां उस उत्पाद का उचित खरीद मूल्य हो, वहां भेजने की और बेचने की व्यवस्था में सरकार से जुड़े लोगों को करना चाहिए

टीवी चौनलों और समाचार पत्रों में आए दिन किसानों के आत्महत्या की खबरें आ रही

इसके बावजूद किसानों का शोषण रुकने का नाम नहीं ले रहा है । किसानों का शोषण हर क्षेत्र में जमकर हो रहा है चाहे वह गन्ना की घट तौली हो या एम एस पी पर किसानों की फसल का खरीद की मामला हो या यूरिया और समय–समय पर डाई खाद की कालाबाजारी का शिकार किसान ही होता है क्योंकि ऊपर से बड़ी बड़ी खाद कंपनियां थोक व्यवसायियों पर दबाव डालते हैं यूरिया के साथ बिना ब्रांड की जिंक और ऊर्जा बचने के लिए थोक व्यवसायी खुदरा व्यवसयियो पर दबाव डालते हैं अपना गलत खाद बेचने के लिए लेकिन इसका दुष्प्रभाव किसानों पर पड़ता है

दुख इस बात का है कि किसानों का शोषण समाज के वह लोग कर रहे हैं जिन लोगों ने लंबे समय से व्यवसाय करके या बिचौलिए से काम करके बहुत से लोग लखपति और कोई करोड़पति बन गये है लेकिन इसके बावजूद भी लोग ईमानदारी से व्यवसाय करने के स्थान पर कालाबाजारी और ब्लैक खाद बेचने से बाज नही आ रहें हैं । अन्नदाता की स्थित दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है जा रही है लेकिन समाज के लोग अत्यधिक पैसा कमाने के चक्कर में संवेदनहीन हो गये है । यह स्थिति प्रदेश और देश के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि कहीं ऐसा ना हो कि अन्नदाताओं के सब्र का बांध टूट ना जाए।

# खतरा बनी साइबर की दुनिया

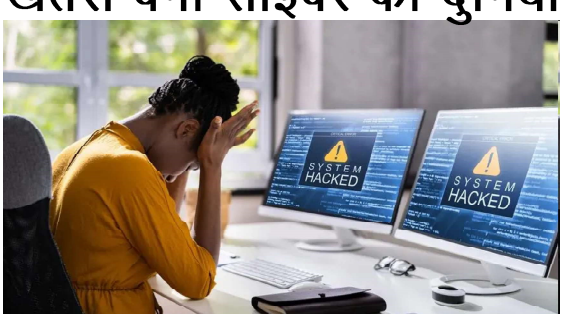

—प्रियंका सौरभ—

**इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों की बढ़ती तादाद एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन, इसने और अधिक संख्या में महिलाओं को वर्चुअल दुनिया में खतरों के जोखिम में डाल दिया है। हाँ, ऐसा लग रहा है कि महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराध की घटनाएँ बढ़ रही हैं। इनमें यौन उत्पीड़न, धमकाने, उकसाने बलात्कार या जान से मार देने की धमकियाँ देने, साइबर दुनिया में पीछा करने और बिना सहमति के तस्वीरें और वीडियो शेयर करने जैसी वारदातें शामिल हैं।**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न सामग्री के उदय ने डिजिटल स्पेस में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, जिससे ऑनलाइन उत्पीड़न और गोपनीयता उल्लंघन के नए रूप सामने आए हैं। इसने टेक कंपनियों और सरकारों दोनों को तत्काल कार्यवाही करने की आवश्यकता बताई है। आज जब साइबर क्षेत्र में महिलाओं के लिए खत्तरे कई गुना बढ़ गए हैं, तो ऐसा कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है, जहाँ वह छुप सकें और न ही कोई कड़ी सुरक्षा वाला इलाका है, जहाँ बैठकर वह अपने सम्मान पर डाका डालने वाले साइबर खत्तरों के खत्म होने का इंतजार कर सकें। एक वैश्विक सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया।

इसी तरह यूएन विमेन ने पाया है कि दुनिया भर में 58 प्रतिशत महिलाएँ और लड़कियों को किसी न किसी तरह के ऑनलाइन शोषण का शिकार होना पड़ा है। इनमें ट्रोलिंग, पीछा करने, डॉक्सिंग और लैंगिकता पर आधारित दूसरे तरह के ऑनलाइन हिंसक बर्ताव हैं, जो डिजिटिल युग के नए खत्तरों के तौर पर उभर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग डीपफेक वीडियो और चित्र बनाने के लिए किया जा रहा है, जो महिलाओं को मनगढ़ंत सामग्री के साथ लक्षित करते हैं जो अक्सर प्रकृति में यौन या मानहानिकारक होती है। यू। एस। की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 2024 के राष्ट्रपति पद के लिए अपने अभियान के दौरान झूठे और हानिकारक संदर्भों में उन्हें चित्रित करने वाले डीपफेक का सामना करना पड़ा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल महिलाओं के चरित्र और विश्वसनीयता को कम करने के लिए डिजाइन की गई झूठी कथाएँ या स्त्री–द्वेषी सामग्री फैलाते हैं, विशेष रूप से नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं को लक्षित करते हैं।

रिपब्लिकन प्राइमरी के दौरान निक्की हेली हेरफेर की गई छवियों और फर्जी खबरों का शिकार हुईं। महिलाओं को ऑनलाइन वस्तुकरण और यौन रूप से स्पष्ट सामग्री का असंगत स्तर का सामना करना पड़ता है, जो वास्तविक नकली सामग्री बनाने की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमता द्वारा बढ़ाया जाता है। इतालवी प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई स्पष्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई डीपफेक और बदली हुई तस्वीरें महिलाओं की निजता का उल्लंघन करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर प्रतिष्ठा को काफी नुकसान होता है और मानसिक परेशानी होती है। बांग्लादेशी राजनेता रूमिन फरहाना को चुनावों से पहले डीपफेक सामग्री के साथ निशाना बनाया गया था। तकनीकी कंपनियों और सरकारों द्वारा समस्या को कम करने के लिए कदम। कंपनियों को त्रुटियों को रोकने के लिए मानवीय निगरानी के साथ, हानिकारक सामग्री को व्यापक रूप से प्रसारित होने से पहले सक्रिय रूप से चिह्नित करने और हटाने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिटेक्शन सिस्टम में निवेश करना चाहिए।

मेटा (फेसबुक) ने हाल ही में डीपफेक से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल की घोषणा की, लेकिन उनका कार्यान्वयन असंगत बना हुआ है। प्लेटफॉर्म को स्पष्ट जवाबदेही उपाय प्रदान करने चाहिए और रिपोर्ट करनी चाहिए कि वे अपनी मॉडरेशन नीतियों के पारदर्शी ऑडिट के साथ फ्लैग की गई सामग्री को कैसे संभालते हैं। यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (2022) में डिजिटल प्लेटफॉर्म को सामग्री मॉडरेशन क्रियाओं की रिपोर्ट करना अनिवार्य किया गया है। तकनीकी कंपनियों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि एल्गोरिदम को इस तरह से डिजाइन किया जाए कि लिंग पूर्वाग्रह कम हो और हानिकारक उद्देश्यों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का दुरुपयोग रोका जा सके। गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिद्धांत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग पर प्रकाश डालते हैं, लेकिन अधिक कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

सरकारों को डेटा सुरक्षा कानूनों को लागू करना चाहिए और डीपफेक–विशिष्ट कानूनों सहित एआई–जनरेटेड सामग्री के दुरुपयोग को सम्बोधित करने के लिए विशिष्ट कानूनी प्रावधान बनाने चाहिए। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 सामग्री मॉडरेशन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, लेकिन इसमें कड़े एआई–विशिष्ट नियमों का अभाव है। सरकारों को एआई नैतिकता बोर्ड और रूपरेखाएँ स्थापित करनी चाहिए जो नैतिक एआई विकास को अनिवार्य बनाती हैं, लिंग आधारित भेदभाव को रोकने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यूरोपीय संघ के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधिनियम का उद्देश्य उच्च जोखिम वाली एआई प्रणालियों को विनियमित करना है, विशेष रूप से मीडिया और निगरानी में। सरकारों को डीपफेक सामग्री की पहचान करने और रिपोर्ट करने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए, विशेष रूप से कमजोर समूहों को लक्षित करना चाहिए।

भारत का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल एआई–जनरेटेड कंटेंट से जुड़े साइबर अपराधों की आसान रिपोर्टिंग की सुविधा देता है। निर्धारित समय सीमा के भीतर हानिकारक कंटेंट को हटाने में विफल रहने पर तकनीकी कंपनियों को मौद्रिक दंड के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूरोपीय संघ में जीडीपीआर उन कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने की अनुमति देता है जो उपयोगकर्ताओं को डेटा के दुरुपयोग से बचाने में विफल रहती हैं। सरकारों, तकनीकी फर्मों और नागरिक समाज के बीच एक सक्रिय, बहुपक्षीय दृष्टिकोण महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल स्थानों का निर्माण सुनिश्चित करेगा, नैतिक एआई विकास और मजबूत ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

# पुरुष टेलरों के विरोध पर गरमाई सियासत

—अजय कुमार—

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने कहा कि जिस जिम में महिलाएं जाती हैं, उन जिमों में महिला ट्रेनर होनी चाहिए. ।सभी जिम ट्रेनर का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाना चाहिए। जो महिला किसी पुरुष ट्रेनर से ट्रेनिंग लेना चाहे तो उसे लिखित में देना होगा।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने युवतियों और महिलाओं को बैड टच से बचाने और पुरुषों के बुरे इरादों को रोकने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करके योगी सरकार के पास भेज रही है। यदि यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है तो भविष्य में पुरुष टेलरों और बाल काटने वाले पुरुषों के सामने काफी परेशानी खड़ी हो सकती है। महिला आयोग ने कहा है कि पुरुष टेलरों को महिलाओं के कपड़े नहीं सिलने चाहिए और न ही उनके बाल काटने चाहिए। कुछ दिनों पूर्व यह प्रस्ताव राज्य महिला आयोग की बैठक में आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान की तरफ से पेश किया गया, जिसका बैठक में मौजूद अन्य सदस्यों ने समर्थन किया,जिसके बाद अब इसे कानूनी जामा पहनाने के लिये सरकार के पास भेजा जायेगा।

महिला आयोग के इस फैसले पर अलग–अलग स्तर पर प्रतिक्रियां भी आना शुरू हो गई हैं। समाजवादी पार्टी के नेता जहां से बीजेपी की कारगुजारी बता रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने इसे बीजेपी की घिनौनी साजिश करार दिया है। भदौरिया का कहना है कि भगवा ब्रिगेड प्रदेश को साम्प्रदायिकता के आग में झोंक रही है,जिससे कोई नहीं बचेगा। आग लगाने वाले भी इसके शिकार हो जायेगा। वहीं बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि महिला आयोग ने यदि ऐसा कोई फैसला लिया है तो जरूर उसके पास बैड टच को लेकर कुछ साक्ष्य मौजूद होंगे। अभी इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं आया है,जब आयेगा तो इसके गुण–दोष के आधार पर फैसलाय लिया जायेगा।वहीं इन पेशों से जुड़े लोगों को इसकी आहट भर से रोजी रोटी की चिंता सताने लगी है। इन लोगों का कहना है कि किन्हीं एक–दो घटनाओं को आधार बनाकर इन धंधों से जुड़े लोगों की जिविका नहीं छीनी जानी चाहिए। सरकार को यदि कुछ कमी नजर आती है तो वह सुधार कर सकती है। बता दें महिला दर्जी, नाई और जिम ट्रेनर जैसे व्यवसायों में एक वर्ग विशेष के लोगों का वर्चस्व है। अक्सर यहां महिलाओं के साथ बैड टच के मामले भी सामने आते रहते हैं।

बता दें कि 28 अक्टूबर को हुई महिला आयोग की एक बैठक के बाद कई ऐसे सुझाव दिए गए, जिनमें पुरुषों को महिलाओं का नाप लेने की अनुमति नहीं देना और शॉप पर सीसीटीवी कैमरे लगाना आदि शामिल हैं। फिलहाल, अभी यह सिर्फ एक प्रस्ताव है और महिला आयोग बाद में राज्य सरकार से इस संबंध में कानून बनाने का अनुरोध कर रहा है। इस बाबत यूपी महिला आयोग की सदस्य हिमानी अग्रवाल ने आज बताया कि हाल ही में हुई महिला आयोग की बैठक में एक प्रस्ताव रखा गया था कि केवल महिला टेलर ही महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों का नाप लें। साथ ही शॉप पर सीसीटीवी लगाए जाएं। हिमानी अग्रवाल ने यह भी कहा है कि इसी तरह से सैलून में केवल महिला नाई ही महिला ग्राहकों की देखभाल करें. क्योंकि, हमारा मानना है कि इस तरह के पेशे में शामिल पुरुषों की वजह से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ होती है. वे (पुरुष) गलत व्यवहार करने की कोशिश करते हैं। कुछ पुरुषों की मंशा भी अच्छी नहीं होती है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा नहीं है कि सभी पुरुषों की मंशा खराब होती है.

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने कहा कि जिस जिम में महिलाएं जाती हैं, उन जिमों में महिला ट्रेनर होनी चाहिए। सभी जिम ट्रेनर का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाना चाहिए। जो महिला किसी पुरुष ट्रेनर से ट्रेनिंग लेना चाहे तो उसे लिखित में देना होगा। क्योंकि, महिला आयोग को लगातार जिम जाने वाली महिलाओं और लड़कियों के शोषण की शिकायत मिल रही हैं, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। साथ ही जिस टेलर शॉप में महिलाओं के कपड़े सिलते हैं, वहां नाप लेने के लिए महिला टेलर को रखा जाना सुनिश्चित किया जाए। यही नहीं जिन स्कूल बसों में लड़कियां जाती हों उनमें महिला कर्मचारी हो. फिलहाल, महिला आयोग ने सभी जिलों को इस संबंध में आदेश दिए हैं. जो नहीं मानेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# स्पेन में हुई तबाही के सबक

—भाषा सिंह—

क्या आपने डाना का नाम सुना है डाना का जलवायु परिवर्तन से क्या रिश्ता है। धरती के लगातार गर्म होने से बड़े पैमाने पर जो तबाही हो रही है उसका एक परिणाम है डाना। स्पेन ने इसकी विभीषिका को झेला। सैकड़ों जानें गई हैं, संपत्ति का भीषण नुकसान हुआ। भूमध्य सागर का एक सिस्टम है डाना। समुद्र के ऊपर की हवा गर्म है और उत्तर से ठंडी हवा आती है, जिससे चक्रवात सरीखा उठता है और आसपास के इलाके में भीषण तबाही फैलाता है। इसमें चूंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र के ऊपर की हवा जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाती है, लिहाजा उत्तर से आने वाली ठंडी हवा पूरे इलाके में बड़ा डिस्टर्बेंस पैदा करती है। स्पेन इसी का शिकार हुआ। डाना की वजह से अचानक इतनी भीषण बारिश और बाढ़ आ गईकृजिससे बचना किसी के बस में नहीं था। दुनिया के कई देश इसी तरह की चरम मौसमी घटनाओं को झेल चुके हैं।

स्पेन में भीषण तबाही से जो डरावना मंजर देखने को मिला, उससे पूरा यूरोप सदमे में है। पलक झपकते जिस तरह से 200 से अधिक जानें काल के गाल में समा गईं, उसने जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे की विभीषिका के बारे में सबको सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले एक दशक से जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया ने भीषण तबाहीकृ कभी बाढ़, कभी सूखे, कभी प्रलयकारी चक्रवाती तूफानों को देखा है। इसके बाद जिस तरह से इराक में बाढ़ आई और सऊदी अरब में बर्फबारी हुईकृउसने बता दिया है कि प्राकृतिक तबाही का यह सिलसिला अभी और बढ़ने जा रहा है।

स्पेन के वेलेंसिया शहर में तीन घंटे के भीतर एक साल की बारिश हो गई। इसकी कल्पना बुरे से बुरे दुस्वप्न में भी कोई नहीं कर सकता था। विनाश आसमान से बारिश के रूप में आयाकृजिसने तुरंत ही सारी नदियों–नालों में उफान ला दिया और वे जीवन को बहा ले गए। इस तबाही का सीधा रिश्ता है जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज से। जलवायु परिवर्तन के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है। हम अपनी करतूतों से लगातार धरती का तापमान गरम कर रहे हैं और इसी के नतीजों के रूप में हमारे सामने स्पेन जैसी विभीषिका आ रही है।

डाना कैसे बाकी जलवायु संबंधी गड़बड़ियों से अलग है, इसके बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ एलिकांट में क्लाइमेटोलॉजी के निदेशक डॉर्ज ओलिसना का कहना है कि डाना में हवाएं हरिकेन (तूफान–चक्रवात) की तरह तेज नहीं होती, लेकिन तबाही उससे ज्यादा मचा सकती हैं क्योंकि इसमें मयानक तीव्रता के साथ बारिश होती है, जो कुछ ही घंटों में नदी–नाले–तालाब में उबाल ला देती है।

# रात्रि गश्त पर निकले पीआरडी जवान पर राड से हमला, मौत

संवाददाता—कुशीनगर। हनुमानगंज थाना के छितौनी कस्बा में रात्रि गश्त कर रहे पीआरडी जवान पर एक व्यक्ति ने राड से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही जवान की मौत हो गई। ड्यूटी पर तैनात खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम करदह के तिवारी टोला निवासी व पीआरडी जवान रामाकान्त तिवारी उम्र 59 वर्ष की छितौनी निवासी एक 26 वर्षीय अर्द्ध विक्षिप्त विपिन ने आधी रात लोहे के राड से सिर पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। उनके साथ में रहे मृतक के भतीजे पीआरडी जवान आनन्द ने इसकी सूचना बगल में ही स्थित छितौनी पुलिस चौकी को दी।

इस पर पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है।और अर्द्ध विक्षिप्त युवक को पुलिस गिरफ्त में लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। इसकी सूचना मिलते ही परिवारीजनों में कोहराम मच गया। खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम करदह निवासी रमाकांत तिवारी पुत्र स्व. लालजी तिवारी भारतीय किसान यूनियन ( अराजनैतिक ) के जिलाध्यक्ष के साथ पीआरडी के जवान थे। इनका मनोज तिवारी इकलौता पुत्र है।

रोज की भांति वह शनिवार की रात्रि चचेरे भतीजे व पीआरडी जवान आनन्द तिवारी व सिपाही सत्यवान के साथ छितौनी कस्बे में ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात सिपाही कहीं चला गया। करीब 12 बजे छितौनी के सुभाष नगर निवासी अर्द्ध विक्षिप्त युवक विपिन वर्मा 26 वर्ष पुत्र श्रीनारायण इनके पास पहुंच रमाकांत तिवारी से उलझ गया।

विवाद बढ़ता देख भतीजा आनन्द उर्फ नन्हें कुछ दूर पर स्थित पुलिस चौकी पर पुलिस को बुलाने चला गया। इस बीच विपिन ने पीआरडी जवान रमाकांत तिवारी के सिर पर लोहे के राड से ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया।पुलिस के मौके पर पहुंचा भतीजा आनन्द तिवारी जमीन पर चाचा को लहुलुहान पड़ा देख चिल्लाने लगा, लेकिन तब तक रमाकांत तिवारी की मौत हो चुकी थी।

इसकी सूचना पाकर हनुमानगंज थानाध्यक्ष अजय पटेल मौके पर पहुंच गये और इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को देने के साथ मृतक के परिवारीजनों को दी। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस संबंध में सीओ खड्डा अमित सक्सेना ने बताया कि पीआरडी जवान पर हमला करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके शांति व्यवस्था कायम है।

# नेपाल सीमा से एटीएस ने दो संदिग्धों को उठाया, चार बैग बरामद बरामद



संवाददाता—बहराइच। बहराइच में भारत—नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा रोडवेज बस अड्डे से रविवार को परिवहन निगम की बस सवारियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। इस बीच कोतवाली नानपारा के हांडा बसेहरी गांव के निकट वाहनों से एटीएस के जवान पहुंच गए। सभी ने रोडवेज बस रोककर उसमें सवार दो संदिग्धों को उतारा।

पूछताछ के बाद एटीएस दोनों को अपने साथ लेकर चली गई। संदिग्धों के पास बैग भी मिले हैं। अब इसको लेकर तरह—तरह की चर्चा की जा रही है। हालांकि अधिकारिक तौर पर इनके बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। वहीं इस मामले के तार महाराष्ट्र से भी जुड़े होने की चर्चा है। यह भी बताया जा रहा है कि इसमें महाराष्ट्र की एटीएस टीम भी शामिल रही है।

रूपईडीहा अंतरराष्ट्रीय बस अड्डे से रविवार सुबह 11 बजे के आसपास दिल्ली के लिए रोडवेज बस रवाना हुई। थोड़ी दूरी पर रोडवेज बस पहुंची। तभी चार इनोवा वाहन से एटीएस के जवान नेपालगंज—नानपारा मार्ग पर आए और सभी ने बस से दो संदिग्धों को उतारा। हांडा बसेहरी स्थित होटल में लेकर गए। यहां सभी ने संदिग्धों से लगभग दो घंटे पूछताछ की। इसके बाद दोनों को एटीएस टीम साथ लेकर चली गई। टीम ने पूछताछ के समय होटल के मुख्य द्वार को बंद करवा दिया और किसी को भी अन्दर नहीं जाने दिया गया। स्थानीय लोगों की चर्चा के अनुसार दोनों के पास चार बैग भी थे। सीओ नानपारा प्रद्युम्न सिंह ने बताया दो युवकों को यूपी एटीएस टीम पूछताछ के बाद अपने साथ ले गई है। युवक क्यों पकड़े गए और उनसे क्या पूछताछ की गई, कोई जानकारी नहीं है। वहीं स्थानीय लोगों की चर्चा के अनुसार पकड़े गए युवक चिटफंड हवाला कारोबार से जुड़े हो सकते है। उनके पास चार बैग भी थे। एटीएस बैग समेत युवकों को अपने साथ ले गई। इसके अलावा पकड़े गए दोनों युवकों के देशी विरोधी गतिविधियों में भी शामिल होने की चर्चा की जा रही है। जहां से यह उठाए गए वहां से चंद कदमों की दूरी पर नेपाल सीमा है। ऐसे में यह कौन है इसको लेकर कई तरह के सवाल स्थानीय लोगों के स्तर से उठाए जा रहे है।

# राजस्व अमीन संघ के जिला मंत्री बने शृंग

संवाददाता—गोण्डा। सदर तहसील सभागार में रविवार को राजस्व संग्रह अमीन संघ जिला इकाई की एक बैठक आयोजित हुई। इसमें सर्वसम्मति से संग्रह अमीन शृंग अमर श्रीवास्तव को जिला मंत्री चुना गया है। जिला मंत्री शृंग अमर श्रीवास्तव ने कहा कि सबको एकजुट कर काम करेंगे। इस मौके पर इंद्रपाल तिवारी, संरक्षक राजस्व संग्रह अमीन संघ, जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र शुक्ला, विष्णु यादव, वेद प्रकाश पांडे, निरंकार सिंह, सुनील कुमार श्रीवास्तव, सरजू प्रसाद मिश्रा, वंशराज, अनीश मिश्रा, रुद्र प्रताप सिंह, ऋषभ कुमार श्रीवास्तव, अंकित मिश्रा, राम सजील मिश्र, अनिल कुमार श्रीवास्तव, मनीराम वर्मा सहित अन्य संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सर्वसम्मति से चुने गए जिला मंत्री शृंग अमर श्रीवास्तव को शुभकामनाएं दी है।

# एक ही दिन में पागल कुत्ते ने 25 से ज्यादा लोगों को काटा

संवाददाता—गोण्डा। क्षेत्र के चार गांव में रविवार को पागल कुत्ते ने 25 से अधिक लोगों को काटकर लहूलुहान कर दिया। इससे भय का माहौल व्याप्त हो गया और लोगों ने बच्चों से घरों से न निकलने की ताकीद की। साथ ही समूह बनाकर लाठी डंडा लेकर कुत्ते की तलाश शुरू कर दी। हालांकि, कुत्ता लोगों की पहुंच से दूर रहा और किसी के हाथ नहीं लगा। इस संबंध में पीएचसी अधीक्षक डॉ वीर बहादुर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के तीन—चार गांवों में 25 से अधिक लोग लोगों को कुत्ता ने काटा है। स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले सभी लोगों को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने के साथ उपचार किया गया। विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत फरेंदा शुक्ल की 12 वर्षीय ऋतिका, छह वर्षीय राकेश, सात वर्षीय रतन मिश्रा, 14 वर्षीय नूर आलम, पांच वर्षीय रुद्र अवस्थी को कुत्ते ने नोच डाला। वहीं, कंचनपुर के 14 वर्षीय सौरभ, 58 वर्ष के पवन कुमार, 39 वर्ष की कन्यावती, 11 वर्ष की नारायण तिवारी, छह वर्ष के राकेश कुमार को भी काटा। भवनियापुर की राधिका 50 वर्ष, शुभम 4 वर्ष, ऋषभ 11 वर्ष, हिसाब तिवारी पुरवा की गायत्री देवी सात वर्ष, ननका पांच वर्ष, खुशी 16 वर्ष, मौजी 10 वर्ष, नूरआलम 10 वर्ष व चक कालू पुरवा के आजाद मिश्रा 5 वर्ष, आर्य नगर के मनोज गुप्ता 25 वर्ष, साजन 22 वर्ष, अमरजीत 8 वर्ष को कुत्ता ने नोंच डाला। कुत्ते के हमले गांव व आसपास के लोग भयभीत हो गए और लोग अपने घरों से निकलना बंद कर दिया।

# अतिथि सेवा हमारा परम कर्तव्य —स्वामी दिलीप दास



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज के संयोजन में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग लवकुश नगर अयोध्या में रघुवंश अभिराम सेवा शिविर लगाकर परिक्रमा कर रहे लाखों श्रद्धालुओं छोले चावल की सेवा प्रसाद के रूप में की गई और उसके साथ जल भी पिलाया गया। यह पूरा आयोजन रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट अयोध्या के तत्वाधान में किया गया, ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अक्षय तृतीया पर चावल यानी अक्षत का बड़ा महत्व है यही कारण है कि 14 कोसी परिक्रमा में प्रसाद के रूप में चावल और छोला वितरण किया गया वहीं पंचकोसी परिक्रमा में चाय दवा और फलाहार का वितरण किया जाएगा।सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और हमारे प्रभु श्री राम की जन्मस्थली में देश के कोने—कोने से आए श्रद्धालुओं की सेवा करना हम संतों का कर्तव्य है क्योंकि वह राम जी के भक्त हैं और हम राम जी के सेवक हैं इसलिए अयोध्या में जो भी व्यक्ति आता है वह हमारे आराध्य का भक्त होता है और हम उसके सुख सुविधा का ध्यान रखें कोई कष्ट ना हो यह हमारा कर्तव्य है। इसमें प्रमुख रूप से प्रेरणा स्रोत महंत धर्मदास,खड़ेश्वरी मंदिर महंत राम प्रकाश दास, पुजारी राजेंद्र दास,पुजारी राम किशोर दास, व्यवस्थापक रामरतन साहनी, नीलमणि अचारी बादल, रोशन सिंह चंदन समाजसेवी लखनऊ मुन्ना साहनी आदि दर्जनों लोग सहयोगी रहे।

# खेत पहुंचे कृषि विभाग के अधिकारी बोले- पराली जलाने पर तीन लाख का लगेगा जुर्माना, सदमे से किसान की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। कृषि विभाग के अधिकारियों ने पराली जलाने पर किसान को चेताया। साथ ही तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाने की बात कही। इससे सदमे में आए किसान की मौत हो गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। किसान की पत्नी ने थाने में तहरीर दी है। इसमें संबंधित आधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामला सोनवा थाना क्षेत्र के बरावा हरगुन गांव का है। गांव निवासी किसान रामसमुझ चौहान (55) पुत्र ननकऊ शनिवार को अपने खेत में धान की पराली जला रहा था। बताया गया कि तभी मौके पर पहुंचे कृषि विभाग के टेक्निकल असिस्टेंट राजकुमार वर्मा ने उसे पराली जलाने से मना किया। उसे कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उस पर तीन लाख रुपये जुर्माना करने की चेतावनी दी। इसके बाद किसान जल रही पराली को बुझाने में लग गया। बाद में रामसमुझ खेत में लगे पेड़ के नीचे बैठ गया। वहां संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के किसान की पत्नी कौशल्या देवी ने स्थानीय थाने में तहरीर दी। कहा कि टेक्निकल असिस्टेंट की ओर से जुर्माना करने की धमकी और कार्रवाई की चेतावनी के कारण सदमे से पति की मौत हो गई है। पीड़िता ने पुलिस से मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्राविधिक सहायक ने किसान को पराली जलाने से मना किया गया था। साथ ही क्षति और वसूली के बारे में हिदायत दी गई थी। इसके बाद वह वहां से चले आए थे। किसान की बाद में मौत हुई है। प्रकरण की जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच आख्या मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

# नेपाल से लौट रहे दोस्तों की कार ट्रक से भिड़ी, एक की मौत, चार गंभीर

संवाददाता—महराजगंज। गोरखपुर—सोनौली हाईवे स्थित नौतनवा क्षेत्र के संपतिहा चौकी के पास रविवार की सुबह एक कार व ट्रक की आमने—सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने कार को ट्रक से बाहर निकालवाकर घायलों को अस्पताल भेजा। चार घायलों को रतनपुर सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। गोरखपुर गीडा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरयां निवासी पांच दोस्त शनिवार को सोनौली होकर नेपाल घूमने गए थे। रविवार की सुबह घर वापस लौटते समय संपतिहा के पास गोरखपुर की ओर से तेज रफ्तार आ रहे ट्रक से उनकी कार की आमने—सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार चला रहे गयासुद्दीन (35) पुत्र जकुल्लाह निवासी सरयां—गीडा, गौतम विश्वकर्मा (20) पुत्र बांकेलाल निवासी ग्राम साथीपार, शिव प्रताप सिंह(27) पुत्र परशुराम निवासी साथीपार, रंजीत साहनी (27) पुत्र रामजी निषाद उम्र 25, निवासी साथीपार व सुनील शर्मा (24) पुत्र सुग्रीव शर्मा निवासी सरयां गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। मौके पर पहुंचे संपतिहा चौकी के एसआई मनीष कुमार ने ग्रामीणों के सहयोग से पांचों को एंबुलेंस से रतनपुर सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने गयासुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। अन्य चार घायलों का प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस हादसे में गयासुद्दीन की मौत के बाद चीख—पुकार मच गई। गयासुद्दीन ही कार चला रहा था। अचानक सामने ट्रक कब आ गया पता ही नहीं चला। भाई की मौत की खबर सुनकर बड़ा भाई वजुल्लाह नौतनवा आ रहा था, लेकिन सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने से लोगों ने उसे गोरखपुर में ही एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

गोरखपुर—सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर आए दिन होने वाली घटनाओं का जिम्मेदार लोग पीएनसी की लापरवाही को मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि एक साइड से ही दोनों लेन चलती है, जिससे अक्सर घटनाएं होती हैं।जयप्रकाश त्रिपाठी, सीओ नौतनवा ने कहा कि हादसे की सूचना पर सीएचसी रतनपुर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। ट्रक और कार की आमने—सामने की जोरदार टक्कर में कार चालक की मौत हो गई है, जबकि कार में सवार चार गम्भीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है।

# प्रहलाद घाट पर दिखा सेवा का संगम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या के प्रहलाद घाट पर श्री रामेष्ट धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट परिवार हनुमानगढ़ी अयोध्या की तरफ से हनुमानगढ़ी अयोध्या के डॉ देवेशाचार्य महाराज के संयोजन में निःशुल्क दवा व चाय वितरण हनुमान जी महाराज का पूजन अर्चन की करके किया गया जिसमें प्रमुख रूप से अयोध्या के पार्षद सुल्तान अंसारी, स्वामी वरुण दास,अशीषदास आचार्य प्रदीप महाराज, अनिरुद्ध दास, डॉ रेयाश , अशोक यादव, अमित दास सहित अन्य सहयोगियों ने पूरी रात श्रद्धालुओं की सेवा कि। शिविर का शुभारंभ हनुमत ज्ञान भवन के महंत पवन कुमार दास फलाहारी ऊंची खड़ाऊ वाले महाराज ने पूजा पाठ करके किया।

डॉ देवेशाचार्य महाराज ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले परिक्रमा अयोध्या में हो रही है जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं तो हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी सेवा करें उनको कोई दुख कष्ट ना हो। पार्षद सुल्तान अंसारी ने कहा कि यह राम की नगरी है यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति हमारा अतिथि है इसलिए हमें आदित्य भाव से प्रत्येक श्रद्धालु की सेवा करनी है इसी में हम लोग लगे हुए हैं।

# श्रीराम बाल हनुमान धार्मिक उत्थान ने चाय दवा से की श्रद्धालुओं की सेवा



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीराम बाल हनुमान धार्मिक उत्थान एवं शिक्षण संस्थान अयोध्या ने 14 कोसी परिक्रमा में प्रहलाद घाट पर कैंप लगाकर परिक्रमार्थियों की सेवा किया। संस्थान द्वारा यह शिविर शनिवार की रात्रि 7 बजे शुरू किया गया था। जो रविवार को चौदहकोसी परिक्रमा की समाप्ति तक चला। कैंप में हजारों चौदहकोसी परिक्रमार्थियों को निशुल्क चाय, पानी दवा का वितरण किया गया। इससे पहले शिविर का उद्घाटन श्रीराम बाल हनुमान धार्मिक उत्थान एवं शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष हनुमान दास महाराज ने बजरंगबली के चित्रपट पर भोग, पूजन—अर्चन, आरती कर किया। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा बाबा रामगढ़े दास के स्थान प्रहलाद घाट पर चौदहकोसी परिक्रमा में निशुल्क चाय, पानी, दवा वितरण का शिविर लगाया था। उक्त शिविर में परिक्रमार्थियों को चाय, पानी व दवा वितरित कर सेवा की गई। यह बहुत ही पुनीत कार्य है। इस कार्य में सभी लोगों को बढ़—चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। खासकर ऐसे सामर्थ्यवान लोग जो इस पुनीत कार्य को करने में सक्षम हों। वह अवश्य इस कार्य में आगे आएं। इस दौरान संस्थान के कोषाध्यक्ष अखिलेश दास, राजेश महाराज, उपाध्यक्ष उत्कर्ष सक्सेना, अजीत पाठ, रजनीश, दिलीप चौबे, उज्जवल मिश्रा, बाल्मीकि पाठक, डा. एपी सिंह, अभय दास, राजपाल, कृतिमान पांडेय, शिवपूजन दास, कपिलदेव पांडेय, पंकज मिश्रा, सोनू मद्धेशिया आदि परिक्रमार्थियों की सेवा में लगे रहे।

# महराजगंज हिंसाः मुख्य साजिशकर्ता समेत छह लोग गिरफ्तार, भेजे गए जेल



संवाददाता—बहराइच। महराजगंज में 13 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा के मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत छह लोग रविवार को जेल भेजे गए हैं। तनाव को देखते हुए कस्बे में एक बार फिर से बाजार लगभग बंद रहा। पुलिस की तैनाती है। महसी हिंसा में रामगोपाल मिश्रा की हत्या में शामिल दस लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। जिसमें से घटना में शामिल पांच आरोपियों अब्दुल हमीद, फहीम, मोहम्मद अफजल, तालीम उर्फ शब्बू, सरफराज को एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम ने बीती 17 अक्तूबर को नानपारा बाइपास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और 15 अक्तूबर को भी एक आरोपी को जेल भेजा गया था। अन्य चार आरोपियों की तलाश में टीमें लगातार दबिश डाल रही थीं। रविवार को टीम ने कस्बे से घटना के मुख्य साजिशकर्ता शकील उर्फ बब्लू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तोड़फोड़, आगजनी, लूट व सांप्रदायिक उन्माद फैलाने के मामले में कस्बे की दुकानों, घरों पर लगे सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त वीडियो, डिजिटल साक्ष्यो के आधार पर घटना में संलिप्त कस्बा निवासी इरफान, फरहान रजा, हसीब, तौसीफ और नूरानी को भी गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उनको जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल सात लोगों की गिरफ्तारी के बाद शेष अन्य तीन आरोपी जावेद खान, सैफ अली और शोएब फरार है। जिनकी तलाश में टीमें लगातार दबिशें डाल रही है। फरार सभी आरोपियों पर दस—दस हजार का ईनाम घोषित किया गया है। महराजगंज कस्बे में मुख्य साजिशकर्ता समेत छह लोगों की गिरफ्तारी के बाद एहतियातन कई थानों की फोर्स के साथ सीआरपीएफ जवानों की भी तैनाती कर दी गई है। पल—पल की अपडेट लखनऊ व देवीपाटन मंडल के अधिकारी ले रहे है। वहीं पुलिस उच्चाधिकारी भी स्थिति पर नजर रखे हुए है और गश्त कर रहे है। रविवार को दोबारा से कस्बे के हालात हिंसा के समय बाजार में बंद दुकानें और गलियों व चौराहों पर पसरे सन्नाटे जैसे नजर आए। गिरफ्तारी के बाद हिंसा प्रभावित क्षेत्र में लोग घरों से नहीं निकले और कस्बे की अधिकत दुकानें बंद नजर आईं। स्थानीय लोग रविवार को उक्त मामले में बातचीत करने से बचते नजर आए और आशंका लोगों गिरफ्तारी के डर से घर से बाहर भी नहीं निकले। वहीं लोगों ने सोमवार को हिंसा के मामले में कोर्ट में सुनवाई होने के चलते भी प्रशासन द्वारा एहतियात बरती जाने की चर्चा होती नजर आई।

# व्यापार मंडल ने सदर विधायक को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता—गोण्डा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की जिला इकाई के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र आर्य और उपाध्यक्ष जिन्दर सिंह के अगुवाई में रविवार सुबह सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह से विश्नोहरपुर गांव स्थित उनके आवास पर मिला। विधायक को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए व्यापारियों की समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाकर उसके निराकरण की मांग उठाई। विधायक ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक पहुंचाकर इसके निराकरण कराने का आश्वासन दिया गया। व्यापारियों की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षक स्नातक एमएलसी की तरह व्यापारियों के लिए भी विधान परिषद सदस्य का चुनाव कराए जाने और व्यापारियों के लिए बीमा योजना शुरू किए जाने समेत दैवी आपदा के दौरान उससे किसी भी प्रकार का टैक्स वगैरह न वसूल जाने की मांग की। साथ ही जीएसटी की दरों में एकरूपता लाने की मांग की गई है। हर साल 29 जून को भामाशाह जयन्ती को व्यापारी कल्याण दिवस घोषित करते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पदाधिकारियों में प्रदीप सिंह, दरोगा सैनी, अतिक अहमद, कप्तान सिंह, प्रिंस चौरसिया, राजेन्द्र सिंह आदि रहे।

# झालीधाम और छपिया में परिक्रमा को उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता—गोण्डा। अक्षय नवमी पर झालीधाम में आयोजित परिक्रमा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आश्रम की परिक्रमा की। परिक्रमा में श्रीराम,लक्ष्मण,सीता व हनुमान व जटायु की आकर्षक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। उधर, भगवान घनश्याम महाराज की जन्म स्थली स्वामिनारायण मंदिर में पंच कोसी परिक्रमा पारम्परिक हर्षोल्लास के साथ प्रारम्भ हुआ। भगवान घनश्याम महाराज का अन्न कूट छप्पन भोग दर्शन और महा अभिषेक किया गया। रविवार को हजारों की संख्या में क्षेत्रीय और देश के कोने—कोने से आये हरिभक्तों ने परिक्रमा में भाग लिया। रविवार को प्रसिद्ध झालीधाम आश्रम के महंत नरसिंह दास महाराज ने भगवान राम,माता सीता की पूजा अर्चना तथा आरती के उपरांत स्वामी राम मिलन दास की समाधि पर पुष्प अर्पित किया। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने भी समाधि पर पुष्प अर्पित किए। सुबह10बजे से नरसिंह दास शास्त्री की अगुवाई में लोगों ने पांच किलोमीटर की परिधि में आश्रम की परिक्रमा का प्रारंभ किया। परिक्रमा में खरगूपुर नगर पंचायत सहित आस—पास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच जिलों से आये बड़ी संख्या में महिला—पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालु परिक्रमा के दौरान श्रीराम,जय राम,जय—जय राम का उद्घोष करते रहे। परिक्रमा में प्रमुख रूप से विधायक विनय कुमार द्विवेदी, इटियाथोक प्रमुख पूनम द्विवेदी, आचार्य धर्मेंद्र मिश्रा, भाजपा महामंत्री आशीष त्रिपाठी, राजेश दूबे, रवींद्र कश्यप, राजेश सोनी, विजय शुक्ल भी शामिल हुए। परिक्रमा के बाद आश्रम में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जो देर शाम तक चलता रहा। मंदिर के समाने सड़क के दोनों तरफ लगी दुकानों में लोगों ने खूब खरीदारी की झालीधाम आश्रम में परिक्रमा व मेले की सुरक्षा के लिए प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी उपनिरीक्षकों तथा महिला पुरुष आरक्षियों के साथ मुस्तैद रहे। परिक्रमा के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान की झांकी निकाली गयी जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। बाल कलाकारों के द्वारा निकाली गयी झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। परिक्रमा मार्ग पर बनघुसरा गांव में सामाजिक संस्था अभिलाख फाउंडेशन के संरक्षक रसिक बिहारी तिवारी,राजीव तिवारी,अतुल तिवारी द्वारा परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं को फल का वितरण किया गया। वहीं बेंदुली निवासी वेद प्रकाश शुक्ला ने भव्य भंडारे का आयोजन किया गया था जो देर शाम तक चलता रहा। पंच कोसी परिक्रमा में उमड़ा जनसैलाबरू स्वामी नारायण मंदिर में रविवार को भगवान घनश्याम महाराज का और ठाकुर महाराज का भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। पूरे परिक्रमा श्रद्धा और आस्था के साथ हरिभक्तों ने परिक्रमा में भाग लिया। महिलाओं व बच्चों में खास उत्साह दिखा। मंदिर के महंत स्वामी देव प्रकाश स्वामी, गुरु जगत प्रकाश स्वामी कोठरी विष्णु स्वामी ने परिक्रमा और शोभा यात्रा से पवित्र नारायण सरोवर के जल से अभिषेक किया और ठाकुर महाराज का पंडित प्रहलाद तिवारी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया गया। गुरु जगत प्रकाश स्वामी, कोठरी विष्णु स्वामी, हरि दर्शन स्वामी, ज्ञान प्रकाश पांडेय ,विष्णु विवेक शुक्ला डॉ विजय बहादुर सिंह, अनिल मिश्रा, सागर भगत, शान्ति लाल, जंक्शन तिवारी, अयोध्या भाई, फूल चन्द्र श्रीवास्तव, संजय कुमार, देवानंद पाण्डेय हजारों की संख्या भक्तिगण रहे। शोभा यात्रा छपिया मंदिर नारायण सरोवर, नेवाद, सुरवार, तेंदुआ, सैदनपुर, सोहिल, मसकनवा, दीननगर, भुईगांवा,पतिजिया, गऊघाट, लोहगाजरी, कुसुमी होते हुवे मंदिर पहुंची। जगह जगह भक्तों का भव्य स्वागत किया गया। महंत स्वामी ने बताया कि भगवान घनश्याम महाराज ने अपने मित्रों के साथ छपिया धाम की परिक्रमा की थी। तब से यह परम्परा चली आ रही है। परिक्रमा से पापों का नाश होता है। मन को शांति मिलती है। शरीर स्वस्थ रहता है। निज मंदिर और जन्म स्थली स्मारक मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया।

# रुक्मणी विवाह और सुदामा चरित्र की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। लक्ष्मण घाट स्थित नया मंदिर शीश महल में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामलोचन शरण राजन बाबा ने सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन सत्र में रुक्मणी विवाह और सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि भगवान कृष्ण और माता रुक्मणी के विवाह का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि प्रभु की प्रत्येक लीला भक्तों को सुख देने के लिए होती है और उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए होती है। स्वामी जी महाराज ने बताया कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थी। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो उसने मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह चेदिनरेश राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था।



व्यास पीठ से महाराज ने बताया कि रुक्मणी को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने एक ब्राह्मण संदेशवाहक द्वारा श्रीकृष्ण के पास अपना परिणय संदेश भिजवाया। तब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की नगरी कुंडीनपुर पहुंचे और वहां बारात लेकर आए शिशुपाल व उसके मित्र राजाओं शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदु रथ और पौंडरक को युद्ध में परास्त करके रुक्मणी का उनकी इच्छा से हरण कर लाए और द्वारिकापुरी आ ही रहे थे कि उनका मार्ग रुक्मी ने रोक लिया और कृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा। तब युद्ध में श्रीकृष्ण व बलराम ने रुक्मी को पराजित करके दंडित किया। तत्पश्चात श्रीकृष्ण ने द्वारिका में अपने संबंधियों के समक्ष रुक्मणी से विवाह किया। कथा के विश्राम बेला पर मुख्य यजमान रामविलास यादव पत्नी इसरावती देवी, गोविंद पुर बस्ती, हरिचन्द्र यादव पत्नी दुर्गावती दुर्गौली संतकबीरनगर, अवधेश यादव पत्नी ऊषा महुली संतकबीरनगर आरती उतारी प्रसाद वितरण किया गया हवन पूजन के साथ कथा का समापन हुआ जिसमें सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए।

# सपा के पीडीए का मतलब दंगाइयों और अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस –सीएम योगी

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा का मतलब माफिया और अपराधियों का जमावड़ा। कृष्णानंद राय और राजू पाल की दिन दहाड़े हत्या हुई। माफिया अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और खान मुबारक जैसे माफिया सपा से ही जुड़े थे। सीएम योगी रविवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगंज में कोटवां स्थित तिलक इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि पहले जनता का पैसा सैफई घराने के पास पैसा चला जाता था। उनके कारिंदों के पास चला जाता था। यह पीडीए नहीं प्रोडक्शन हाउस है दंगाइयों का। यूपी का कोई माफिया ऐसा नहीं है जो सपा का शागिर्द न हो। माफिया अतीक और मुख्तार, खान मुबारक यह सभी सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज है। सपा मूल्यों के लिए स्थापित किया गया था। जिस मूल्यों के लिए सपा की स्थापना की गई थी, आज की सपा उससे भटक गई है। समाजवादी पार्टी माफिया और अपराधियों का जमावड़ा है। देख सपाई बिटिया घबराई। यही सपा का चरित्र है। अयोध्या और कन्नौज, लखनऊ और हरदोई में बेटियों के साथ रेप किया गया। बेटियों के साथ अन्याय करोगे तो जहन्नुम में पहुंचाने का कार्य करूंगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू–कश्मीर ने 370 की वापसी के पीछे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की क्या मजबूरी है। जम्मू कश्मीर की सरकार ने 370 की वापसी के लिए प्रस्ताव पास किया है। यह 370 आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए वापस किया जा रहा है। मोदी सरकार इसको कभी वापस नहीं होने देगी। पूरे देश में एक निशान और एक ही विधान रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांगे। वह करीब तीन बजे प्रयागराज के फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगंज कोटवां में स्थित तिलक इंटर कॉलेज पहुंचे। मंच पर भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल, सांसद प्रवीण पटेल, मंत्री राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद विनोद सोनकर, महापौर गणेश केसरवानी आदि मौजूद रहे।

भाषण शुरू करने से पहले योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज की धरती को नमन किया। कहा कि यह क्षेत्र गंगा की आंचल में स्थित है। यहां पर भगवान प्रयागराज और मां गंगा की असीम कृपा है। यह क्षेत्र पावन और पूज्य है। यहां से हर व्यक्ति की आस्था जुड़ी है। यह वर्ष प्रयागराज के लिए अत्यंत विशेष है, क्योंकि 12 साल के बाद यहां पर महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। पीएम मोदी ने यूनेस्को की सूची में कुंभ को सांस्कृतिक धरोहर की मान्यता दिलाने का कार्य किया है।

योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने दस वर्ष में देश की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। साथ ही यूपी और प्र यागराज भी इससे अछूता नहीं रहा है। बिना हटे, रुके बिना और बिना थके डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। कभी यूपी अराजकता और दंगों के लिए जाना जाता था। पहचान का संकट था। बेटी और बहन की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। किसान आत्महत्या करता था। व्यापारी असुरक्षित था। नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। सपा शासन में नौकरी पहले ही नीलाम हो जाती थी। किसानों को शासन की सुविधा का लाभ नहीं मिलता था। गरीबों को राशन नहीं मिलता था।

योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने मूल्यों से भटक गई है। जिन स्वनाम धन्य राजनीतिज्ञों जय प्रकाश नारायण जेपी, राम मनोहर लोहिया, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह, चंद्रशेखर आदि ने जिस राजनीतिक शुचिता और मूल्यों को लेकर सपा का गठन किया था आज की सपा में उन मूल्यों का अभाव है। आज सपा माफिया और अपराधियों की रहनुमा बनकर रह गई है। पार्टी में अपराधियों और माफिया का जमावड़ा है।

## विवाद सुलझाने गयी पुलिस पर हमला

**संवाददाता–गोरखपुर।** बांसगांव के बघैला गांव में जमीन विवाद की सूचना पर शनिवार रात में पहुंची पुलिस टीम पर हमला हो गया। एक परिवार की महिला और पुरुषों ने पुलिस पर ईंट फेंकना शुरू कर दिया। हमले में तीन पुलिस वालों को हल्की चोटें आईं।

बताया जा रहा है कि इसमें एक दरोगा की वर्दी फट गई। हमले की सूचना पर पुलिस फोर्स गांव में पहुंच गई। आरोपी परिवार की एक महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बांसगांव थाना क्षेत्र के हरनही चौकी क्षेत्र के बघैला गांव निवासी दिल्ली में ठेका करने वाले संजय यादव का गांव में रहने वाले पटीदार रामकरन यादव से रास्ते का विवाद है। बताया जा रहा है कि संजय यादव ने रामकरन के घर जाने वाले रास्ते पर ही निर्माण काम कराना शुरू कर दिया।

इसकी जानकारी होने पर रामकरन ने पुलिस को बताया। सूचना पर हरनही चौकी पर तैनात दरोगा हिमांशु एक साथी सिपाही के साथ गांव में पहुंचे और दोनों पक्ष को चौकी पर आने को कहा। इसी बात से नाराज संजय के परिजनों ने दौड़ा लिया।

दरोगा और सिपाही जान बचाकर भागे। इसकी सूचना पर चौकी इंचार्ज राकेश पांडेय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इसके बाद आरोपितों ने घर के अंदर से ईंट से हमला कर दिया। पुलिस पीछे हटकर बची, लेकिन चौकी इंचार्ज के हाथ में ईंटनुमा मिट्टी का ढेला लग गया। इस दौरान उनकी वर्दी भी फट गई।

## दौड़ में नोमान, कबड्डी में मझौआमीर प्रथम

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। ब्लॉक स्तरीय बेसिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बीआरसी पुर्सियां पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी धीरेन्द्र त्रिपाठी और समापन ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने किया । इस प्रतियोगिता में न्याय पंचायत स्तर पर विभिन्न खेलों में चयनित बच्चों ने हिस्सा लिया। प्राथमिक एवं जूनियर वर्ग के बच्चों ने दौड़, ऊंची लंबी कूद, कबड्डी, खो खो आदि खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।

जूनियर बालक 100 मीटर दौड में मोहम्मद नोमान प्रथम, बालिका वर्ग में शिवांगी, प्राथमिक बालक 100 मीटर में प्रियांश प्रथम, प्राथमिक बालिका 100 मीटर में शिखा प्रथम रही। जूनियर कबड्डी में मझौआमीर प्रथम, बटेला टीम दूसरे स्थान पर रही। जूनियर बालिका में मझौआमीर प्रथम, कन्या पुर्सिया द्वितीय, प्राथमिक बालक वर्ग में पचदेवरी प्रथम, बन्नी के कबड्डी की टीम द्वितीय स्थान पर रही।

खण्ड शिक्षा अधिकारी धीरेन्द्र त्रिपाठी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढाते हुये कहा कि खेलों से बच्चों का मानसिक विकास होता है खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने बच्चों को पुरस्कार वितरण करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। खेल प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में राघवेन्द्र सिंह, अभिषेक उपाध्याय, अशोक यादव, कमर खलील अंसारी, दिनेश कुमार, यादव, उत्कर्ष मिश्र, नीलू सिंह, मोहम्मद मुस्तकीम, राम विजय, कुमार लाल जी वर्मा, रुकनुद्दीन, रामानंद, रोहित सिंह, अनीस अहमद खान, जितेन्द्र कुमार, विकास श्रीवास्तव, उपमा वर्मा, राम कल्प, अमित वर्मा, दीपक गौतम, गौरव सिंह, पूजा पाण्डेय, वर्तिका गौतम, प्रतिभा पाण्डेय, श्रुति त्रिपाठी, रामकुमार वर्मा, ओम प्रकाश, पंकज मिश्रा, राजकुमार, राजीव सिंह, शुभावन वर्मा, उमेश तिवारी, आलोक त्रिपाठी, त्रिपुरी चौधरी, प्रभात शुक्ला, महेन्द्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे और खिलाड़ियों का हौसला बढाया।

## –खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग–धीरेन्द्र

## जनकपुर से रामलला का तिलक चढ़ाने आ रहे तिलकहरू समारोह में सीएम योगी को भी किया गया आमंत्रित

**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या में भव्य और नव्य मंदिर में विराजमान रामलला का तिलकोत्सव होने जा रहा है। श्रीराम की ससुराल जनकपुर धाम से 100 चार पहिया व तीन बसों से 251 तिलकहरू 18 नवम्बर को यहां पहुंचेंगे। ट्रक में भरकर नेग भी आएगा। समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रण भेजा गया है। प्राण प्रतिष्ठा के समय देश–विदेश से भक्तों ने रामलला को बेशकीमती उपहार भेंट किया था। उस दौरान भी जनकपुर से तीन ट्रकों में रामलला के लिए नेग भेजा गया था। अब एक बार फिर से श्रीराम के ससुराल से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। ऐसा पहला मौका है, जब विवाहोत्सव में प्रभु श्रीराम के तिलकोत्सव का आयोजन होगा। जनकपुर धाम में प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस बार माता सीता के राजमहल से तिलकोत्सव के लिए तिलक सामग्री भेजी जाएगी।

जनकपुर के वरिष्ठ पत्रकार मिश्री लाल मधुकर बताते हैं कि अयोध्या में विश्व हिंदू परिषद इस कार्यक्रम की अगुवाई करेगा। विहिप के केंद्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज से बात हो चुकी है। तिलकोत्सव की तैयारी के लिए जनकपुर के जानकी मंदिर में बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। तिलकोत्सव विश्व हिन्दू परिषद नेपाल धनुषा की ओर से आयोजित किया जा रहा है। संतोष साह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जानकी मंदिर के महंत राम तपेश्वर दास वैष्णव, विहिप नेपाल के उपाध्यक्ष रघुनाथ साह, जनकपुर के मेयर मनोज साह, जनकपुर धाम वृहत्तर विकास परिषद के अध्यक्ष शीतल साह के अलावा उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र भंडारी, मारवाड़ी सेवा समिति के निर्मल चौधरी, राम युवा कमेटी के सरोज साह, महावीर युवा कमेटी के अजय गुप्त समेत अन्य गणमान्य शामिल हुए। यह भी तय किया गया कि भार (नेग) में परिधान, आभूषण, मिष्ठान, मेवा और फल होंगे।

तिलकहरू 16 नवम्बर को चलकर गढ़ी माई में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 17 नवम्बर को अयोध्या पहुंच जाएंगे। 18 को तिलकोत्सव होगा। जानकी मन्दिर के उत्तराधिकारी महंत राम रोशन दास वैष्णव के अनुसार पहली बार हो रहे इस आयोजन से अयोध्या और जनकपुर का संबंध अधिक मजबूत होगा। ट्रक में 501 लकड़ी के बॉक्स में नेग यहां पहुंचेगा। इसमें फल, फूल, मिष्ठान, स्वर्ण व चांदी के आभूषण शामिल रहेंगे। तिलक में चांदी का धनुष बाण, सोने की चेन–अंगूठी व अन्य सामान चढ़ेगा। प्रसिद्ध रसभरी, मोती चूर का लड्डू, खाजा के अलावा कई तरह के फल भी चढ़ाए जाएंगे।

## गगहा थाने में हत्यारोपित ने की खुदकुशी की कोशिश, अस्पताल में भर्ती

**संवाददाता–गोरखपुर।** अपने पिता की गला दबाकर हत्या के मामले में हिरासत में लिए गए अरविंद नामक युवक ने रविवार की सुबह गगहा थाने में खुदकुशी का प्रयास किया। उसने अपने बनियान को फंदा बनाकर लटकने की कोशिश की समय रहते थाने के पुलिस कर्मियों की नजर गई और उन्होंने उसे बचा लिया। अरविंद को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक वह खतरे से बाहर है।

गगहा थाना क्षेत्र के धेवरपार गांव में गुरुवार की रात में 45 वर्षीय रामप्यारे की संदिग्धावस्था में मौत हो गई थी। राम प्यारे के बेटे अरविंद ने गांव के लोगों से बताया कि हार्ट अटैक से पिता की मृत्यु हो गई है। गांव के लोगों ने जब शव देखा तो गले पर रस्सी का निशान दिख रहा था और मौत से पहले पिता पुत्र में विवाद भी हुआ था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अरविंद को हिरासत में ले लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।अरविंद दिल्ली कमाता था चार दिन पहले वह घर पर आया था उसकी पत्नी मायके गई थी । पुलिस वालों की माने तो वह स्मैक का आदी है नशे की लत में उसने इस तरह का प्रयास किया है। फिलहाल खतरे से बाहर है।

## पुल की रेलिंग से टकराकर बाइक सवार युवक घायल

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** डुमरियागंज–चंद्रदीप मार्ग पर भड़रिया नहर पुल के पास रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक सवार युवक पुल की रेलिंग से टकराकर घायल हो गया। उसे सीएचसी बेवा पहुंचाया गया, जहां हालात गंभीर देख चिकित्सकों ने बस्ती जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। गोंडा जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र के रेघरवापुर गौराचौकी निवासी राम मूरत (21) पुत्र राम बेचन बाइक से अपने मामी को डुमरियागंज थाना क्षेत्र के सेमरी गांव छोड़ने गया था। वापस लौटते समय भड़रिया नहर पुल पर बाइक अनियंत्रित हो गई। इससे वह पुल के बगल बनी रेलिंग से टकरा कर घायल हो गया। घटना देख मौके पर भीड़ जुट गई। किसी ने मामले की सूचना भवानीगंज पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवा पहुंचाया। जहां युवक के नाक की हड्डी टूटने की बात कह कर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बस्ती रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचे गई थी। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही परिजनों को सूचना दे दी गई है।

## दो साल से गंदी बातों से परेशान थी लड़की, सहेली ही निकली फोन करने वाली

**संवाददाता–गोरखपुर।** गोरखपुर के कैंपियरगंज क्षेत्र के एक गांव की लड़की पिछले दो साल से एक अनजान कॉल से परेशान थी। फोन पर पुरुष की आवाज में उससे गंदी–गंदी अश्लील बातें की जाती थीं। बाद में उसे धमकी दी लगी थी।

अलग–अलग नंबरों से होने वाली हरकत से परेशान होकर लड़की ने अज्ञात युवक के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस की जांच में पता चला है कि दो वर्ष से फोन पर परेशान करने वाला कोई युवक नहीं है, बल्कि मेंहदावल की रहने वाली उसकी पुरानी सहेली ही है। वही लड़की को लगातार फोन कर पुरुष की आवाज अश्लील बातें और धमकी दे रही थी। जांच में पुष्टि के बाद पुलिस ने आरोपित लड़की को गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में कहा कि उसे सहेली से अश्लील बातें करने में मजा आ रहा था। पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली लड़की ने केस दर्ज कराया कि पिछले दो वर्ष से अलग–अलग मोबाइल नंबरों से उसके पास फोन आता है। फोन करने वाला युवक पहले अश्लील बातें बाद में गंदी–गंदी गालियां देने लगा। पूछने पर वह अपना नाम पता भी नहीं बताता है। उन नंबरों से मुझे जान से मारने की धमकी देता है। कभी–कभी उन नंबरों से महिला फोन करती है। उल्टा सीधा बोलती है। उसने बताया कि उन नंबरों से मेरे सगे संबंधियों को भी फोन करके मेरे बारे में उल्टी सीधी बातें कही जाती हैं। मैं बहुत परेशान हो गई हूं। पीड़िता की इसी शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। दिए गए नंबरों के आधार पर पुलिस आरोपित तक पहुंची तो पता चला कि कोई युवक नहीं, बल्कि शिकायत करने वाली लड़की की सहेली ही उसे परेशान कर रही थी।

जांच में यह भी पता चला कि वह पुरुष के आवाज में उतने आराम से बात करती है, जितनी की वह अपने खुद के सामान्य आवाज में कर लेती है। उसके ऐसा करने के कारणों के बारे में पूछने पर पता चला कि उसे सहेली से अश्लील बातें कहने और परेशान करने में मजा आ रहा था।

## गुरुद्वारे में लगा शिविर, 25 युवाओं ने किया रक्तदान

**संवाददाता–गोरखपुर।** श्री गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जटाशंकर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा समिति व गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में 25 युवाओं ने रक्तदान किया। उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के सदस्य जगनेन सिंह नीटू ने 79 बार रक्तदान किया। उनके पुत्र और पुत्री ने भी शिविर में रक्तदान किया। इसके अलावा जगमीत सिंह, चरनप्रीत सिंह, तेज सिंह, हितेश जायसवाल, मनोज आनन्द, अर्पित राज समेत 25 युवा रक्तदान करने वालों में शामिल रहे। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरुद्वारा जटाशंकर के अध्यक्ष जसपाल सिंह लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर को सफल बनाने में ब्लड बैंक अधिकारी, टेक्नीशियन एवं कर्मचारियों का, योगदान रहा।

## डॉ.आरएमडी परामर्शदात्री समिति के सदस्य नामित

**संवाददाता–गोरखपुर।** भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति का सदस्य नामित किया गया है। राष्ट्रीय महासचिव ने इस जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया है। डॉ. अग्रवाल भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सांसद के साथ राजस्थान और कर्नाटक के प्रभारी भी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की स्थाई कमेटी के चेयरमैन व संयुक्त संसदीय समिति वक्फ अधिनियम के सदस्य के साथ कई केंद्रीय मंत्रालयों के सलाहकार समिति सदस्य रहे हैं। उनके मनोनयन पर अभिलाष शाही विशेन, यशपाल राव, अजय ओझ मुन्ना आदि ने उन्हें बधाई दी है

## 1069 परीक्षार्थियों ने दी योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा रविवार को दो परीक्षा केंद्रों पर सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा में नामांकित 1194 के सापेक्ष 1069 ने परीक्षा दी जबकि 125 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने परीक्षा का जायजा भी लिया। परीक्षा में कई चर्चित मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं को लेकर भी सवाल पूछे गए। इनमें रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी। भारत में सत्याग्रह आंदोलन किसने चलाया। उत्तर प्रदेश में कालीन उद्योग के लिए प्रसिद्ध जिला कौन सा है, समेत अन्य सवाल शामिल रहे। उधर, आधारकार्ड न मिलने, आधारकार्ड अपने साथ न लाने व देर से आने वाले परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जनपद में जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई एवं श्रीसिद्धेश्वरी इंटर कॉलेज तेतरी बाजार को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इन परीक्षा केंद्रों पर 1194 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिसमें 1069 ने परीक्षा दी जबकि 125 ने परीक्षा छोड़ दी। सामान्य परीक्षार्थियों के लिए सुबह 10 से एक बजे तक व दिव्यांग के लिए दोपहर दो बजे तक का समय दिया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने जीआईसी नौगढ़ के प्रधानाचार्य दयाशंकर यादव के साथ परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

छात्रवृत्ति परीक्षा में कुल 180 सवाल हल करने के लिए आए। परीक्षार्थियों को सवाल हल करने के लिए तीन घंटे का समय मिला। खंड प्रथम सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षा व खंड द्वितीय शैक्षिक अभिरुचि परीक्षा का रहा। प्रत्येक सवाल एक अंक का रहा। राजकीय इंटर कॉलेज नौगढ़ के प्रधानाचार्य दयाशंकर यादव ने बताया कि परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं थी। वहीं, परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों का कहना था की पेपर आसान था। साइंस के सवाल आसान थे, लेकिन गणित के सवालों ने थोड़ा घुमाया।

## मतदाता बनाने के लिए दूसरे दिन भी बूथों पर लगा कैंप



**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जनपद में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान में दूसरे दिन रविवार को बूथों पर विशेष कैंप आयोजित हुआ। सभी बूथों पर बीएलओ सुबह 10 बजे से जमे रहे। दूसरे दिन वोटरों की उपस्थिति कम रही। इक्का दुक्का लोग आते–जाते रहे। बीएलओ खाली बैठकर इंतजार करते रहे। कई बूथों पर युवा वोटर आए और मतदाता बनने के लिए फार्म जमा किया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम जय प्रकाश ने बताया कि जनपद के चल रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान के क्रम में शनिवार और रविवार को सभी बूथों पर विशेष कैंप आयोजित किया गया। सुबह 10 बजे से बीएलओ बूथ पर पहुंच गए। 1 जनवरी 2025 तक 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा यहां से फार्म प्राप्त कर वोटर बनने के लिए जमा कर रहे हैं। इसके अलावा संशोधन आदि के लिए भी फार्म प्राप्त कर वोटर ले गए हैं।

उन्होंने बताया कि 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक अभियान चलेगा। उक्त अवधि के दौरान ऐसे व्यक्ति आयु एक जनवरी 2025 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है। वे व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। अथवा जिन पात्र व्यक्तियों का अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं है, वे फार्म भरकर संबंधित बीएलओ के पास व मतदाता पंजीकरण केन्द्रों पर जमा कर सकते हैं। पुनरीक्षण अवधि में नाम सम्मिलित करने के लिए फार्म छह, नाम अपमार्जन के लिए फार्म सात, नाम आयु लिंग, फोटो स्थान परिवर्तन आदि संशोधन के लिए फार्म आठ का प्रयोग किया जाएगा। उक्त फार्म बीएलओ के पास उपलब्ध है तथा ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है।

## लंका में गरजे हनुमानजी, धू धू कर जली लंका

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। श्री रामलीला आयोजन समिति के सप्तम दिवस के मंचन का शुभारंभ हनुमानजी के दिव्य भाव झांकी के समक्ष आरती के साथ प्रारंभ हुई आरती में मुख्य रूप से संजय उपाध्याय, डॉ आलोक पांडेय, जगदीश शुक्ल, अर्जुन उपाध्याय, राहुल सिंह, अनूप मिश्र, रजनीश त्रिपाठी, डॉ सुरभि सिंह, डॉ आर पी शुक्ल, पंडित चंद्रभाल तिवारी, उर्मिला त्रिपाठी, विजय उपाध्याय, अरविंद मिश्र, डॉ जी के शुक्ल, संजय सिंह, अजय उपाध्याय, उमेश दूबे सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिकाएँ सम्मिलित हुई।

पहला प्रसंग अशोक वाटिका में प्रसंग, लंका दहन, हनुमान जी की वापसी एसडीएस पब्लिक स्कूल खड़ौआ द्वारा प्रस्तुत किया गया।

तब लगि मोहि परखेहु तुम्ह भाई। सहि दुख कंद मूल फल खाई।।

हनुमान जी अपने साथी वानरों से कहते है कि जब तक मैं सीता माता की सुधि लेकर वापस न लौटूं तब तक तुम लोग मेरी प्रतीक्षा कदमूल फल खाकर करना ऐसा कहकर जय श्री राम की घोर गर्जना करते हनुमान तीव्र छलांग लगते हैं और लंका की ओर चल देते हैं समुद्र के कहने पर मैनाक पर्वत हनुमान जी की सहायता करने के लिए ऊपर आते हैं हनुमान जी ने मैनाक पर्वत को अपने पैरों से छुए और फिर प्रणाम करके कहा है मैं प्रभु श्री रामचंद्र जी का कार्य किए बिना मुझे विश्राम कहा मार्ग में सांपों की माता सुरसा बजरंगबली के बल बुद्धि विवेक का परीक्षण करने के लिए उनके भक्षण का आग्रह करती हैं बजरंगबली उनके मुख में प्रवेश करते हैं और छोटा रूप धारण कर बाहर निकल आते हैं तत्पश्चात सुरसा अपने आने का प्रयोजन बताती हैं और आशीर्वाद के साथ बजरंगबली को आगे की और प्रस्थान करने की अनुमति प्रदान करती है इसी प्रकार मार्ग में सिंहिका नाम की राक्षसी जो समुद्र में परछाई को पड़कर उनका भाषण करती है हनुमान जी की परछाई को पकड़ने पर उन्होंने वे उनका भी वध कर दिए और समुद्र पार कर लंका आ गए । पुर रखवारे देखि बहु कपि मन कीन्ह बिचारि अति लघु रूप धरों निसि नगर करो पइसारा।।

हनुमान जी नगर में रखवाली कर रहे सेवकों से बचते हुए एक मच्छर के समान छोटा रूप धारण कर लंका में प्रवेश करते हैं किंतु इस समय लंका के द्वार पर पहरेदारी देने वाली राक्षसी लंकनी से उनकी भेंट होती है । लंका में खोजते खोजते उन्हें विभीषण जी के घर का दिव्य भव्य स्वरूप दिखाई पड़ा जहां राम–राम का उच्चारण किया जा रहा था हनुमान जी ने ब्राह्मण का रूप धारण कर विभीषण का परिचय प्राप्त किया । विभीषण माता जानकी के हरण के कारण की व्याख्या कर माता जानकी का पता बतलाते हैं जो अशोक वृक्ष के नीचे निवास कर रही है। कपि करि हृदय बिचार दीन्ही मुद्रिका डारि तब।

जनु अशोक अंगार दीन्ह हरषि उठि कर गहेउ।।

हनुमान जी ने सीता हनुमान जी ने सीता जी के समक्ष वह अंगूठी पर की जो प्रभु ने निशानी के तौर पर उनको दी थी सीता जी उसको पकड़ अत्यंत हर्षित हो जाती हैं तब हनुमान जी माता जानकी के समक्ष आते हैं और अपना परिचय बताते हैं और माता सीता को आश्वस्त करते हैं कि शीघ्र ही प्रभु लंका पर विजय प्राप्त कर आपको वापस लेकर जाएंगे माता को शंका होती है कि छोटे–छोटे बंदर किस प्रकार इस आता ताई पर विजय प्राप्त करेंगे तब हनुमान जी ने अपना विशाल शरीर प्रकट किया जिससे मां सीता के हृदय में विश्वास उत्पन्न हो गया फिर बजरंगबली ने माता से अनुमति मांगी की मां मुझे बहुत भूख लगी है मैं इस वाटिका में उपलब्ध फलों का भक्षण करूंगा और माता की अनुमति प्राप्त कर अशोक वाटिका में उपलब्ध फलों का सेवन कर अशोक वाटिका को पूरी तहस–नहस कर देते हैं उनके यहां का जम्मू माली मारा जाता है रावण को सूचना मिलती है रावण अक्षय कुमार को भेजते हैं जिनका बजरंगबली वध कर देते हैं तत्पश्चात मेघनाथ जाते हैं और ब्रह्मास्त्र का संधान कर बजरंगबली को बंदी बना लाते हैं रावण बजरंगबली के वचनों का उपहास उड़ाते हुए कहता है तेरी मृत्यु निकट आ गई है विभीषण बीच में रोकते हुए कहते हैं हे नाथ दूत को मारना कतई उचित नहीं है तब रावण बजरंगबली की पूंछ पर कपड़ा लपेटकर आग लगाने की आज्ञा देते हैं आज्ञा पाते ही राक्षस ऐसा करते हैं बजरंगबली वहां से बंधनों से मुक्त होकर लंका में दौड़ दौड़ कर महलों पर चढ़कर उनमें चारों ओर आग लगा देते हैं पूरी सोने की लंका धू धू कर जलने लगती है।



दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com